तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025

9 प्रदेश में आगजनी की घटनाओं लेकर मुख्यमंत्री पूरी तरह.....

9 सुरेंद्र बूढा बाबा मंच के अध्यक्ष नियुक्त

खबर संक्षेप

एंबुलेंस ने मारी टक्कर बाइक सवार दो घायल

जींद। गांव अशरफगढ़ टी प्वायंट के निकट एंबुलेंस की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। घायलों के शिकायत पर फरार एंबुलेंस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राम नगर निवासी फिरोज खान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त सुमेश के साथ बाइक पर सवार होकर रोहतक रोड पर जा रहा था।

कार की चपेट में आने से बाइक चालक की मौत

कैथल। खरक पांडवा गांव में एक कार चालक ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कलायत थाना में दी गई शिकायत में खरक पांडवा गांव निवासी सलिंद्र ने कलायत थाने में शिकायत दी है।

रंजिशन हमला करने पर सात के खिलाफ केस दर्ज

जींद। डूमरखां कलां में रंजिशन हमला कर युवक को घायल करने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव डूमरखां कलां निवासी रोहताश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गली से गुजर रहा था। उसी दौरान दीपक व उसके परिजनों ने हमला कर दिया।

टूरिस्ट वीजा लगवाने के नाम पर डेढ़ लाख ठगे

कैथल। कुतुबपुर गांव में कनाडा का टूरिस्ट वीजा लगवाने के नाम पर महिला से डेढ़ लाख रुपये ठग लिए। सदर थाना पुलिस ने तीन के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में आरोपितों ने न वीजा लगवाया और न ही रुपये दिए। कैथल सदर थाना के अधीन आने वाले गांव निवासी सोनू ने बताया कि उसने कुछ समय पहले अपनी मां रेखा देवी के लिए कनाडा का टूरिस्ट वीजा के लिए आवेदन किया था।

संदिग्ध हालात में महिला लापता, अपहरण का केस

जींद। अपराही मोहल्ला से महिला के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। धर्मसिंह कालोनी नरवाना निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बेटी का तलाक का केस चला हुआ है। उसकी बेटी डेढ़ साल से अपराही मोहल्ला में रह रही है।

गांव फर्श माजरा में टॉवर से उपकरण चोरी

कैथल। गांव फर्श माजरा से चोर मोबाइल टावर से हजारों रुपए के उपकरण चुरा कर ले गए। दालमवाला जींद के रणवीर सिंह ने सिवान पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि इंडस टेलीकॉम टावर द्वारा अटेला रोड फशर्ममाजरा पर टावर लगाया गया है। आरोप है कि 11 अप्रैल को रात को चोर वहां पर लगे आर आर यू उपकरण चुरा कर ले गए।

मां व बेटा संदिग्ध हालात में लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव हाडवा से बेटे के साथ दवा देने लेने निकली महिला के संदिग्ध हालात में गायब होने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव हाडवा निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी 32 वर्षीय भाभी तथा सात वर्षीय भतीजा दवाई लाने की बात कह कर घर से निकली थी।

पिस्तौल के बल पर नकदी छीनने के तीन आरोपी काबू

कैथल। पिस्तौल के बल पर नकदी छीनने के मामले में थाना तितरम पुलिस ने 3 आरोपितों को काबू कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कनोसी जिला गढपुरा बिहार हाल ठेकेदार कवेरी फुडस बाता निवासी राममूर्ति की शिकायत अनुसार 17 को कवेरी फुडस से खाना लेकर कैथल मंडी की तरफ जा रहा था।

स्वास्थ्य विभाग की मौसमी बीमारियों से बचाने की कवायद

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों से पेयजल के सैंपल ले जांच के लिए भिजवाए

निरोगी हरियाणा के तहत मधुमेह, उच्च रक्तचाप, खून की कमी की जांच करते लोगों को समय पर ईलाज लेने की सलाह दी

बाइस बुखार पीड़ित लोगों की जांच के लिए रक्त के नमूने भी लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में लोग गंदे पानी से बीमार न हों, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पीने के पानी के सैंपल लेकर जांच के लैबोरेटरी भिजवाए हैं। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने 22 बुखार पीड़ित लोगों की जांच के लिए रक्त के नमूने भी लिए हैं। स्वास्थ्य टीमों ने आमजन को स्वच्छता का संदेश दिया और मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए।

सीएमओ डा. सुमन कोहली के दिशा-निर्देशानुसार सीनियर स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा के नेतृत्व में 12 स्वास्थ्य टीमों का गठन किया गया। प्रत्येक टीम ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर पानी के सैंपल लिए। टीम द्वारा छह सैंपल जांच के लिए भेजे गए। इसके अलावा अपने स्तर पर भी पानी के सैंपलों की क्लोरिन के माध्यम से जांच की गई। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जहां दूषित पानी पीने से होने वाली डायरिया, हैजा व पीलिया जैसी बीमारियों से निजात पाने की जानकारियां दी वहीं शहर की विभिन्न कालोनियों में घर-घर जाकर लोगों को इन बीमारियों से बचाने के अलावा मच्छरजनित रोगों के प्रति भी आमजन मानस को जागरूक करने का कार्य किया। इसके अलावा निरोगी हरियाणा के तहत मधुमेह, उच्च रक्तचाप, खून की कमी की जांच करते हुए लोगों को समय पर ईलाज लेने की सलाह दी। सीनियर स्वास्थ्य निरीक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि टीम द्वारा दो तरह के सैंपल लिए जाते हैं। एक सैंपल जिसमें स्वास्थ्य कर्मी अपने स्तर पर पानी की जांच करते हैं। वहीं दूसरे सैंपल जिसमें स्वास्थ्यकर्मी सैंपल को जांच के लिए लैब भेजते हैं। पानी के सैंपल के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा रक्त के सैंपल भी लिए जाते हैं। अभियान में स्वास्थ्य कर्मी ओमप्रकाश, अमरजीत, दिनेश, विनोद, गुरनाम, राजरानी, सीता देवी, पूनम, दर्शना, अंजू, सुमन, राधा, उर्मिला, सविता, अश्मीना, सोनिया, मुकेश रानी, नीलम, रानी, सूरजमुखी, मुकेश कुमारी, मंजू, आरती आदि शामिल रहे।

जींद। पानी के सैंपल लेते स्वास्थ्यकर्मी और लार्वा की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता जरूरी

सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि यदि सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार, उल्टियां लगने, गर्मी लगने, बुखार एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन आने, उल्टी, दस्त होने, शरीर में कमजोरी आने पर मरीज को तुरंत अपने आसपास के स्वास्थ्य केंद्र या स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पास ले जाकर खून की जांच करवाने के उपरांत ही उपचार लेना चाहिए। जागरूकता व अपने घर व आसपास सफाई रखने से ही बीमारियों पर काबू पाया जा सकता है।

गुहला चीका। दुकान पर नशीली दवाइयों की जांच करते टीम। *फोटो :हरिभूमि*

झोलाछाप डॉक्टर की दुकान से नशीली दवाइयां बरामद

- दवा बरामद के साथ-साथ नहीं मिला कोई डाक्टरी का लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गुहला चीका/कैथल

गुहला में डेरा भाग सिंह स्थित एक डाक्टर की दुकान से स्वास्थ्य विभाग ने औचक छापामारी कर नशीली दवाइयों का जखीरा बरामद किया है। छापा मारने वाली टीम में शामिल ड्रग इंसपेक्टर डाक्टर चेतन ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के पास एक गुप्त शिकायत आई थी कि गुहला में स्थित डेरा भाग सिंह में एक व्यक्ति डाक्टर की दुकान कर रहा है और वह लोगों को दवाइयों की आड़ में केन्द्र व हरियाणा सरकार द्वारा प्रतिबन्धित नशीली दवाइयां बेचने का काम करता है। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग गुहला द्वारा उन्हें उक्त मामले की जानकारी दी गई। जिसके पश्चात एक टीम गठित की, जिसमें गुहला अस्पताल में कार्यरत डाक्टर अमन बंसल व कुछ अन्य कर्मचारियों को शामिल किया गया और उक्त क्लीनिक पर भारी पुलिस बल के साथ छापा मारा , तो उस टीम के होश उड़ गए। जब उन द्वारा शुरू की गई जांच में पता चला कि उक्त डाक्टर क्लीनिक की आड़ में नशा बेचने का धंधा करता है और जब टीम ने उससे उसका लाइसेंस मांगा, तो कोई भी सबूत उन्हें पेश नहीं कर सका। जिसके चलते उसकी गिनती झोलाछाप डाक्टर की श्रेणी में आती है।

कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगीः टीम

बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ पुलिस अधिकारियों ने उक्त झोलाछाप डाक्टर को कथित रूप से हिरासत में ले लिया है और नशीली दवाइयों की गिनती के उपरांत उक्त डाक्टर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस बीच गुहला सरकारी अस्पताल के डाक्टर अमन बंसल ने बताया कि छापे की कार्रवाई जारी है, जिसका खुलासा देर रात तक हो पाएगा कि उसके पास से कितनी मात्रा में नशीली दवाइयां बरामद हुई हैं।

उचाना से हर रोज सुबह 6:10 बजे कटडा के लिए जाएगी बस

जींद। उचाना क्षेत्र के वैष्णो देवी की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अच्छी खबर है। अब उचाना बस स्टैंड से जम्मू-कटरा हरियाणा रोडवेज द्वारा रोडवेज की सेवा का संचालन हो रहा है। डिपो जींद के चालक संजय व परिचालक पुष्पेंद्र ने बताया कि जींद से सुबह 5: 40 पर चलकर उचाना से जम्मू कटरा के लिए हर दिन सुबह 6 : 10 मिनट पर चलेगी। बस शाम को 8 बजे बस कटरा पहुंचेगी। बस नरवाना संगरूर लुधियाना होते जम्मू और कटरा जाएगी। इससे वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को सबसे ज्यादा फायदा होगा। उचाना से जम्मू कटरा की दूरी 545 किमी है। ऐसे में यात्रियों को रोडवेज बस से कटरा जाने के लिए 740 रुपये किराया देना होगा। बस कटरा में रात्रि ठहराव कर अगले दिन सुबह पांच बजे चलेगी।

कंपनी की डायरेक्टर बन कर्मी को लगाया 1.65 लाख का चूना

- खुद को कान्फ्रेंस में व्यस्त बता टास्क पूरा करने के नाम पर दिया वारदात को अंजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

कंपनी में वर्क फरोम होम कार्य कर रही युवती को कंपनी की डायरेक्टर बन टास्क देकर 1. 65 लाख का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीता श्याम कालोनी सफीदों निवासी वंशिका ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गुरूग्राम की कंपनी में वर्क फरोम होम कर रही है। कंपनी की डायरेक्टर नैंसी गोम्बर है। गत 18 अप्रैल को उसके पास फोन पर व्हाट्सअप पर मैसेज आया कि वह नैंसी गोम्बर है। वह कांफ्रेंस मींटिंग में है। मेरा टास्क पूरा करना है। जिसमें कुछ प्रोसपैक्टस हैं। जिनको गिफ्ट वॉउचर भेजने हैं। फिर उन्होंने एप्पल गिफ्ट एमाजोन से खरीदने के बारे में बात की। जिस पर उसने स्क्रीन शॉट लेकर भेज दिए। फिर उसने दो ईमेल आईडी दी। जिसमें से एक आईडी पर उसने एक लाख 15 हजार रुपये की गिफ्ट वाउचर भेज दिए। दूसरी आईडी पर उसने 50 हजार तथा 15 हजार रुपये के गिफ्ट वाउचर भेज दिए।

जींद रोहतक मार्ग पर कार में अचानक लगी आग

चालक ने भाग कर बचाई जान, सूचना के 30 मिनट बाद पहुंची फायर ब्रिगेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना में जींद रोहतक मार्ग पर शनिदेव मंदिर के पास एक कार में अचानक आग लग गई। गाड़ी से धुआं उठता देख चालक ने गाड़ी से भाग कर अपनी जान बचाई। इसकी सूचना डायल 112 पर दी गई। सूचना पाकर डायल 112 टीम मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड सूचना के तीस मिनट बाद घटना स्थल पर पहुंची। जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची गाड़ी जल कर राख हो चुकी थी। रोहतक के एमजी मोटर्स के मैनेजर कपिल चावला ने बताया कि वह अपनी डस्टर गाड़ी में सवार होकर जींद की ओर जा रहा था। जब वह जुलाना के शनिदेव मंदिर के पास पहुंचा तो गाड़ी से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया तो गाड़ी से वह नीचे उतर गया और अचानक गाड़ी में भयंकर आग लग गई। आग लगने की सूचना डायल 112 और फायर ब्रिगेड को दी गई। कपिल चावला ने आरोप लगाया कि फायर ब्रिगेड की बड़ी लापरवाही है। क्योंकि सूचना के 30 मिनट बाद गाड़ी मौके पर पहुंची।

पांच किलोमीटर की दूरी थी

कपिल चावला ने कहा कि गाड़ी में 12.15 बजकर पर आग लगी थी। आग लगने की सूचना डायल 112 को दी गई लेकिन सूचना के 30 मिनट बाद गाड़ी का पहुंचना विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। महज पांच किलोमीटर की दूरी का सफर तय करने में 30 मिनट का समय लगना विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही को साफ दर्शाता है। कपिल चावला ने मामले की जांच की मांग की है।

टूटा रोड, जाम बना परेशानी

जुलाना फायर अधिकारी देवी प्रसन्न ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड कार्यालय से चल पड़ी थी। रास्ता टूटा होने और रास्ते में जाम लगने से मौके पर पहुंचने में देरी हो गई। सूचना के 14 मिनट बाद ही गाड़ी मौके पर पहुंच गई थी।

कैथल। भूख हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते रोडवेज कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

रोडवेज कर्मचारी मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर

कैथल। रोडवेज कर्मचारियों ने सोमवार को नए बस स्टैंड पर मांगों को लेकर भूख हड़ताल की। कर्मचारी सुबह ही डिपो प्रांगण में इकट्ठे होने शुरू हो गए और दोपहर को 12 बजे हड़ताल शुरू कर दी है। 50 कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठे व अन्य कर्मचारियों ने भी उनका समर्थन किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कर्मचारियों की हड़ताल के बावजूद बसों का संचालन नियमित रहा। डिपो प्रधान अमित कुंडू, संदीप कुमार, मनोज कुमार, शीशपाल, अनिल कुमार व मुकेश कुमार ने कहा कि सरकार उनकी मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है। 1993 में जब प्रदेश की जनसंख्या एक करोड़ थी, उस समय हरियाणा रोडवेज विभाग मे 23600 के लगभग कर्मचारी एवं 3884 के करीब सरकारी बसें थी। आज प्रदेश की जनसंख्या तीन करोड़ के लगभग है तो अब मात्र 2400 सरकारी बसें शेष बची हैं और विभाग में कर्मचारियों की संख्या 14 हजार के करीब रह गई है। कर्मशाला में 1993 के बाद कोई भर्ती नहीं की गई है।

सीएम फ्लाइंग ने पूंडरी अनाज मंडी में की तोल चेकिंग, सभी कट्टे सही मिले

- आढ़तियों ने उठान में देरी और बार बार चेकिंग पर जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी की अनाज मंडी में उस समय हलचल मच गई जब सीएम फ्लाइंग ने मंडी में तोले गए गेहूं के कट्टों की औचक जांच की। इंचार्ज विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में की इस कार्रवाई में दर्जन भर कट्टों का तोल जांचा गया, जो सभी मानकों के अनुरूप पाए गए। इंचार्ज विजेंद्र सिंह ने जानकारी देते बताया कि विभाग के नियमों के अनुसार हर गेहूं का कट्टा 50 किलो 700 ग्राम वजन का होना चाहिए। यदि किसी भी आढ़ती द्वारा तय वजन से अधिक या कम गेहूं पाया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। हालांकि इस चेकिंग को लेकर मंडी के कई आढ़तियों ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि वे पहले ही गेहूं के उठान में हो रही देरी से परेशान हैं, ऊपर से अब बार-बार की जा रही जांचें उन्हें मानसिक रूप से और अधिक तनाव में डाल रही हैं। एक आढ़ती ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, हम पूरी ईमानदारी से अपना काम कर रहे हैं, लेकिन हर बार शक की निगाह से देखे जाने पर काम का मनोबल गिरता है। वहीं विजेंद्र सिंह का कहना है कि विभाग की यह कार्रवाई सिर्फ पारदर्शिता और किसानों के हितों की रक्षा के लिए की जा रही है। उन्होंने बताया कि चूंकि मंडियों में बड़े स्तर पर खरीद होती है, इसलिए हर स्तर पर गुणवत्ता और वजन की जांच आवश्यक है। पूंडरी मंडी में हुई कार्रवाई ने जहां विभाग की सतर्कता को उजागर किया, वहीं आढ़तियों और प्रशासन के बीच संवाद की जरूरत को भी सामने ला दिया है। मार्केट कमेटी सचिव गुलाब नैन, सुपरवाईजर विरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

रिमांड के दौरान पूर्व पार्षद ने बीमारी का भी बनाया बहाना

- रिश्वत मामले में गिरफ्तार पूर्व पार्षद से रिमांड के पहले दिन की पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम की ओर से चार लाख रुपये की रिश्वत सहित गिरफ्तार आरोपी पूर्व पार्षद कमल से रिमांड अवधि दौरान पहले दिन पूछताछ की । पूछताछ के तहत आरोपी ने कितने लोगों से पैसे लिए, इसको लेकर जानकारी ली। हालांकि अभी तक आरोपी ने टीम को इस बारे में जानकारी नहीं दी है। वहीं, अब रिश्वत मामले में काफी अधिक रुपये ऐंठने के अंदेशे पर आरोपी के खातों की भी जांच की गई है। उधर, अदालत से रिमांड मिलने के बाद आरोपी पूर्व पार्षद ने टीम के सामने बीमारी का भी बहाना बनाया। एसीबी की टीम अनुसार आरोपी का ब्लड प्रेशर कम हो गया। इसके बाद आरोपी को अस्पताल में ले जाया गया और उसके टेस्ट करवाए गए। इसके बाद आरोपी को दवा दिलाई गई। गौरतलब है कि एसीबी कैथल टीम ने कैथल के पूर्व पार्षद को शनिवार दोपहर के समय चार लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। आरोपी ने डीसी को पैसे देने के नाम पर एक व्यापारी से रिश्वत मांगी थी।

सुविधा | मौलिक शिक्षा हरियाणा निदेशालय ने पत्र जारी कर दिए निर्देश

आरटीई : जरूरतमंद छात्रों के निजी स्कूलों में दाखिले के लिए अभिभावक 25 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जो अभिभावक आरटीई के तहत निजी स्कूलों में दाखिले को लेकर आवेदन नही कर पाए थे, उन्हें अब चार दिन और मिले हैं। फ्री व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत जरूरतमंद छात्रों को मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में दाखिले के लिए अभिभावक 25 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जबकि पहले आवेदन की तारीख 15 से लेकर 21 अप्रैल तक थी। जिसे अब बढ़ा कर 25 अप्रैल तक कर दिया है। मौलिक शिक्षा हरियाणा निदेशालय ने पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि जिन अभिभावकों द्वारा दाखिला फार्म 19 अप्रैल तक अप्लाई किया गया है, उन्हें फार्म में संशोधन करते दोबारा ऑनलाइन फॉर्म जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा दाखिला फार्म पोर्टल रद्द माना जाएगा। अधिक जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-5049801 पर सुबह नौ बजे से लेकर शाम पांच बजे तक सभी कार्य दिवस के दौरान संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा जिन मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में बच्चे वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में पहले से पढ़ रहे हैंए वे स्कूल उन छात्रों को अगली कक्षा में अपग्रेड करेंगे। आरटीई के तहत निजी स्कूलों में जरूरतमंद छात्रों के दाखिले केवल नर्सरी, केजी और प्रथम कक्षा में दिए जाएंगे। यह सूचनाए जनसाधारण एवं राज्य के निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों की जानकारी के लिए है कि हरियाणा फ्री एप अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम 2011 की अनुपालना में सभी निजी स्कूलों को अलाभप्रद आर्थिक रूप कमजोर वर्गों के लिए इस नियम 2011 के तहत कक्षा पहली पूर्व प्राथमिक कक्षाओं हेतु 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने हेतु लिखा था।

25 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार जिन अभिभावकों ने पहले 19 तक ऑनलाइन आवेदन किया था, उन्हें भी दोबारा से आवेदन करना होगा। पहले ऑनलाइन आवेदन की तारीख 15 से लेकर 21 तक थी। अब आरटीई के तहत अभिभावकों बच्चों को नजदीकी निजी स्कूलों में दाखिले के लिए 25 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जींदः पर्यावरण को बचाने के लिए तैयार की जा रही बारह लाख पौध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पर्यावरण को बचाने के लिए एक बार फिर से कवायद शुरू हो गई है। जिले में प्रति वर्ष लगभग 10 लाख पौधे रोपित किए जाते हैं। इनमें से एक तिहाई पौधे पेड़ बन पाते हैं। वर्ष 2022 की गणना के अनुसार जिले में लगभग 22 लाख पेड़ थे। इसके बाद हर वर्ष लगाए जा रहे पौध के बाद पेड़ों की संख्या में वृद्धि हुई है। हर मनुष्य को पर्यावरण के प्रति जागरू होने की जरूरत है। इसके लिए हमें अपने जन्मदिन या अन्य विशेष दिनों में एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। इसके बाद पौधों की संख्या में वृद्धि होगी और पर्यावरण के सुधार से आमजन का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। पर्यावरण बिगडऩे का कारण जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, प्रदूषण, जैव विविधता का नुकसान और प्राकृतिक संसाधनों का असंवहनीय उपयोग। डीएफओ पवन ग्रोवर ने बताया कि विभाग ने तीन स्थानों पर नर्सरियों में पौध तैयार की हैं ताकि बरसात होने पर जिले में पौधरोपण अभियान शुरू किया जा सके। पर्यावरण संरक्षण के लिए वन विभाग लगातार काम कर रहा है। इस वर्ष भी लगभग 12 लाख पौधे सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थाओं के साथ मिलकर लगाए जाएंगे। इसमें हर व्यक्ति को अपनी सोच बनानी चाहिए।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
22 अप्रैल 2025

सहेली

विशेष : पृथ्वी दिवस

आज धरती का अस्तित्व खतरे में है। प्रदूषित पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग हमारी धरती के सामने बहुत बड़े संकट बनकर खड़े हैं। इस समस्या को वही गहराई से समझ सकता है, जो संवेदनशील है। ऐसी संवेदनशीलता महिलाओं में ही दिखती है। धरती हरी-भरी रहे, संरक्षित रहे, इसके लिए महिलाएं निरंतर एक प्रतिबद्धता के साथ काम भी कर रही हैं। दुनिया भर के पर्यावरणविद भी इस बात को स्वीकारते हैं कि हमारे पर्यावरण को सरकारें नहीं, महिलाएं ही बचा सकती हैं। पृथ्वी के संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी पर एक जरूरी विमर्श।

महिलाओं के ही हाथ सुरक्षित है धरती

आवरण कथा

संध्या सिंह

पृथ्वी केवल एक ग्रह ही नहीं है, हम पृथ्वी को धरती मां भी कहते हैं। ठीक उसी तरह जैसे स्त्री केवल एक इंसान भर नहीं है, वह मां भी है। धरती और स्त्री दोनों में बहुत-सी समानताएं हैं, दोनों ही जीवन देती हैं, दोनों ही जीवन को पालती हैं, वह भी बिना किसी स्वार्थ के उसे सहेजती भी हैं। इसलिए जब हम पृथ्वी दिवस (22 अप्रैल) मनाते हैं, तो दिलो-दिमाग में यह आना स्वाभाविक है कि धरती को बचाने की सबसे मजबूत आशा महिलाओं से ही की जाती है। विशेषकर उन महिलाओं की ओर हमें देखना होगा, जो मिट्टी से जुड़ी हैं, जंगल को जानती-समझती हैं, जल संरक्षण करती हैं, जिनके कंधों पर सदियों से कृषि का भार रहा है। ये सब महिलाएं हैं, जिन्हें चाहे कोई कहे या न कहे, ये पर्यावरण की स्वतः रक्षक हैं। इसलिए दुनिया को धरती बचाने की मुहिम में महिलाओं को कारगर भूमिका में लाना चाहिए, तभी धरती के बचने की उम्मीद की जा सकती है।

पृथ्वी-स्त्री दोनों हैं जन्मदायिनी शक्तियां: प्रकृति को भी भारतीय परंपरा में धरित्री, वसुधा और भूमाता कहा जाता है, क्योंकि स्त्री की तरह पृथ्वी या धरती भी जननी है। दोनों ही जीवन की संरचना और निरंतरता का आधार हैं। दोनों ही सृजन करती हैं,

एक धरती को हरा-भरा करती है, दूसरी कोख को। दोनों का मूल स्वभाव सहनशीलता और पुनर्निर्माण है, क्योंकि दोनों में संवेदना है। यह अकारण नहीं है कि गांव की लाखों महिलाएं, जो रोज जंगल से लकड़ियां बीन कर लाती हैं, कुएं-पोखरों से पानी भरती हैं, वे कुदरत से बिना कुछ चाहे खुशी-खुशी स्वयंसेवकों की तरह रक्षा करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो समय-समय पर जंगलों की रक्षा के लिए सैनिकों की तरह आगे बढ़कर आई हैं। महिलाएं ही हैं, जो खेतों में जैविक खाद डालती हैं, पेड़ों को कटने से बचाती हैं, क्योंकि उन्हें पता है पेड़ नहीं होंगे तो बारिश नहीं होगी। पूरी दुनिया में अब तक जितने भी जंगल बचाने के लिए आंदोलन हुए हैं, हमेशा इन आंदोलनों में महिलाओं ने न सिर्फ बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की है बल्कि पहली कतार में वही रही हैं।

क्या कहते हैं शोध: संयुक्त राष्ट्र संघ की शोध रिपोर्ट बताती है कि जिन देशों में पर्यावरणीय नीतियों में महिलाओं की भागीदारी होती है, वहां वनों की कटाई, जल प्रदूषण और जैव विविधता पर सकारात्मक असर देखने को मिलता है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र दुनिया की सभी सरकारों से कहता है कि वो महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, वनीकरण और स्थाई खेती से जोड़ें। क्योंकि महिलाएं जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में निर्णायक रूप से भूमिका निभाती हैं। दरअसल, जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो वे न सिर्फ आर्थिक रूप से बल्कि शैक्षिक रूप से भी निर्णय लेने की क्षमता रखती हैं। देखा गया है कि महिलाएं हमेशा पर्यावरण के प्रति अनुकूल भाव रखती हैं, वे हमेशा हरित विकल्पों को तरजीह देती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो दुनिया में 90 फीसदी जल संग्रह करती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो जैविक बागवानी का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए हैं। स्थानीय स्तर पर शुद्ध बीजों की सुरक्षा महिलाओं की बदौलत ही हो पा रही है।

धरती और स्त्री दोनों शोषित: शायद इसलिए भी धरती के बोझ का दुख महिलाएं ज्यादा संवेदनशीलता से समझती हैं, क्योंकि धरती की तरह ही वे भी शोषित हैं। महिलाओं को समाज में अकसर निचले स्तर के कामों तक सीमित रखा जाता है। शिक्षा से वंचित और निर्णय लेने के मामले में उन्हें बाहर रखा जाता है, इसलिए दुनिया में कई तरह की अव्यवस्थाएं हैं, कई तरह की आक्रामकताएं हैं, क्योंकि नीतिगत निर्णय के मामले में महिलाओं को पुरुषों ने जान-बूझकर पीछे रखा है। वक्त आ गया है कि अब इस अन्याय को सुधारा जाए और धरती और स्त्री दोनों को ही सम्मान मिले, दोनों को ही अपनी-अपनी संवेदनशीलता के लिए आवाज मिले, क्योंकि धरती का दुख महिलाएं ही बेहतर जानती हैं। इसलिए महिलाओं के हाथ में ही धरती की सुरक्षा का भार सौंपना अक्लमंदी है।

धरती का अंधाधुंध दोहन नहीं करतीं महिलाएं: महिलाओं के हाथों में धरती को इसलिए सुरक्षित माना गया है, क्योंकि वो अंधाधुंध दोहन के दर्शन को नहीं मानतीं, वे मिलकर जीने के सिद्धांत की समर्थक होती हैं। महिलाएं कभी भी पर्यावरण को उस तरह हृदयहीनता से नुकसान नहीं पहुंचातीं, जैसे आमतौर पर धरती को पुरुष नुकसान पहुंचाते हैं। महिलाएं शांति पसंद होती हैं, वे पर्यावरण के साथ बेरहमी से पेश नहीं आतीं, इसलिए वक्त आ गया है कि धरती के सामने जो सवालिया निशान लगा है, उस निशान को हटाने के लिए यह भूमिका महिलाओं की दी जानी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षक

महिलाएं जन्मजात पर्यावरण संरक्षक होती हैं। ये महिलाएं ही हैं, जो भारत के गांवों में जलस्रोतों की देखभाल करती हैं, पूरे देश में जैविक खाद तैयार करती हैं, बीजों को सहेजती हैं। जंगल, चारागाह, तालाब ऐसी विरासतें हैं, जिनकी देख-रेख आज भी महिलाओं के कंधों पर ही टिकी है, क्योंकि इनके प्रति उनका बेहद संवेदनशील रवैया है। ये महिलाओं का स्वभाव ही है, जो उन्हें पर्यावरणीय फैसलों का स्वाभाविक अगुवा बना देता है। यह सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं है, संयुक्त राष्ट्र संघ भी इस बात की तस्दीक करता है कि धरती के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशीलता अगर कोई रखता है तो वे महिलाएं हैं। साल 1973 में जब भारत में चिपको आंदोलन हुआ था तो ये महिलाएं ही थीं, जो पेड़ों से चिपक जाती थीं। लकड़हारों से कहती थीं, 'अगर पेड़ काटना है, तो पहले हमें काटो।' महिलाओं ने पेड़ों के लिए खुद को दांव पर इसलिए लगाया, क्योंकि वे जानती हैं कि पेड़ नहीं होंगे तो हवा जहरीली हो जाएगी। शायद इसीलिए दुनियाभर के पर्यावरणविद कहते हैं, 'दुनिया के पर्यावरण को सरकारें नहीं बचा सकती, उन्हें सिर्फ महिलाएं ही बचा सकती हैं।'

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें सिखाती हैं जीना

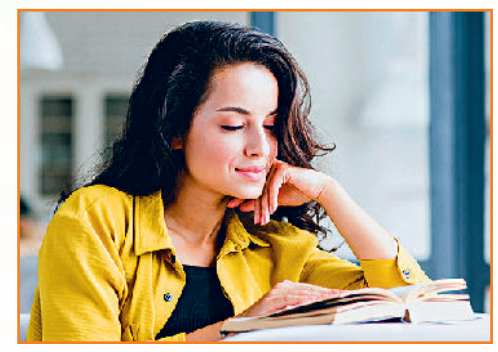

इस नए दौर में अधिकांश लोग हाथों में मोबाइल लिए सोशल मीडिया की दुनिया में खोए रहते हैं। किताबें पढ़ने की हमारी आदत खत्म होती जा रही है, जबकि किताबें हमारी सबसे भरोसेमंद दोस्त होती हैं, जीने की सही राह दिखाती हैं, जो जिंदगी की खुशहाली के लिए जरूरी है।

सलाह

सरस्वती रमेश

भावना बहुत अच्छी जॉब में थी, लेकिन एक एक्सीडेंट के चलते उसे अपना बायां पैर खोना पड़ा, जॉब छोड़नी पड़ गई। चलने से मजूबर भावना घर के एक कमरे में सिमट कर रह गई। पति ऑफिस चले जाते, बच्चे स्कूल। घर में बस वह अकेली बचती। उसे टीस होती कि अपने खोए पैर के कारण अब वह जीवन में कुछ नहीं कर पाएगी। धीरे-धीरे वह बहुत परेशान रहने लगी, चिड़चिड़ी हो गई। अपनी स्थिति के बारे में लगातार सोचने से वह मानसिक रूप से बीमार रहने लगी। उसका किसी काम में मन नहीं लगता था। तभी एक दिन भावना की सहेली ने उसे एक किताब गिफ्ट की। यह किसी दिव्यांग महिला की ऑटोबायोग्राफी थी कि उसने कैसे अपना जीवन संवारा और आत्मनिर्भर बनी। किताब को पढ़ते ही भावना के भीतर नई आशाएं जागीं। फिर क्या था, भावना ने किताबों से दोस्ती कर ली। हर हफ्ते एक नई किताब पढ़ती। इन्हें पढ़ने से उसे नई दृष्टि मिली। वह अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती। साल भर बाद उसने महसूस किया कि किताबें पढ़-पढ़ कर वह इतना कुछ जान-समझ चुकी है कि उसे अपनी विकलांगता से कोई शिकायत नहीं रही। उसने अपनी लाइफ नए सिरे से प्लान की, भविष्य की सुनहरी राह बनाई। अब वह आत्मनिर्भर है, दूसरों के लिए एक मिसाल है।

हर किसी को पढ़नी चाहिए किताब: किताबें हम सबकी सच्ची दोस्त होती हैं। क्योंकि किताबें हमारा अकेलापन छांटती हैं, जीने का सलीका सिखाती हैं। जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती हैं। मुश्किलों से उबरने की तरकीब भी बताती हैं। हमारा आत्मविश्वास बढ़ाती हैं। किताबें पढ़कर हम हर तरह का ज्ञान अर्जित करते हैं, बौद्धिक रूप से समृद्ध होते हैं। किताबें महिलाओं के सशक्तीकरण की राह बनाती हैं।

पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती: कुछ लोगों को यह कहते हुए सुना जाता है कि अब हमारी पढ़ने की उम्र नहीं रही। बुढ़ापे में पढ़कर क्या होगा? ऐसे लोगों को केरल की भागीरथी अम्मा से सबक लेना चाहिए, जो अब इस दुनिया में नहीं रहीं। उनको किताबें पढ़ने का जुनून था, इसलिए उन्होंने 105 साल की उम्र में चौथी क्लास की परीक्षा दी और पास हुईं। किताबें पढ़ने की अपनी इच्छा उन्होंने पूरी की। इसी तरह महाराष्ट्र के बारामती की रहने वालीं बेबी गुरव को परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण बचपन में ही अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। सालों बाद जब उनका बेटा दसवीं में पहुंचा तो बेबी ने भी बेटे के साथ ही दसवीं की परीक्षाएं दीं और और पास भी हुईं। अब वह जमकर अपनी मनपसंद किताबें पढ़ती हैं, ज्ञान बढ़ाती हैं। ये कहानियां हमें बताती हैं कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। उसके लिए सिर्फ हमें किताबों से प्रेम करना आना चाहिए।

तन्हाई की सबसे भरोसेमंद साथी: माता-पिता की जिंदगी में एक ऐसा समय आता है, जब उनके बच्चे पढ़ने या जॉब करने के लिए घर से दूर चले जाते हैं। शादी के बाद अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में अकेले रह रहे माता-पिता के लिए किताबें अच्छी दोस्त साबित होती हैं। मन को शांत, एकाग्र और स्वस्थ रखने में किताबें इनकी मदद करती हैं।

उम्र बढ़ाती हैं किताबें: किताबें हमारे दिमाग को स्वस्थ और संतुलित रखने में मददगार होती हैं। शोध बताते हैं, नियमित रूप से किताबें पढ़ने से ब्लड प्रेशर सही रहता है। चूंकि किताबें हमारा मनोरंजन करती हैं, इसलिए इनसे तनाव कम होता है। शोध तो यहां तक कहते हैं कि किताबें पढ़ने से उम्र लंबी होती है।

बदलती है समाज की सोच: किताबें पढ़कर हम उन्नत विचारों को ग्रहण करते हैं, रूढ़िगत परंपराओं से बाहर आते हैं। किताबें परिवार-समाज को विचारों से प्रगतिशील बनाती हैं। इस तरह किताबें समाज में एक अच्छा बदलाव लाती हैं। इसलिए अपना और दूसरों का भी जीवन बदलने के लिए अधिक से अधिक किताबें पढ़ें।

इंटीरियर

अनु आर.

घर की दीवारों को सजाने के लिए पेंट या वॉल पेपर का चयन करना थोड़ा मुश्किल होता है। दरअसल, दोनों के अपने-अपने प्लस और माइनस प्वाइंट्स होते हैं। इसलिए अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार आप किसी का भी चुनाव कर सकती हैं।

चुनें वही जो हो पसंद वॉल पेपर या पेंट

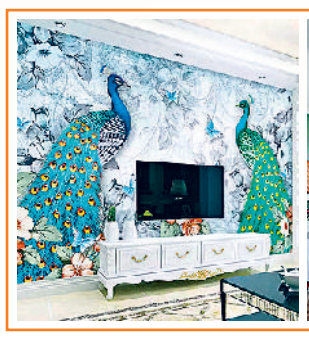

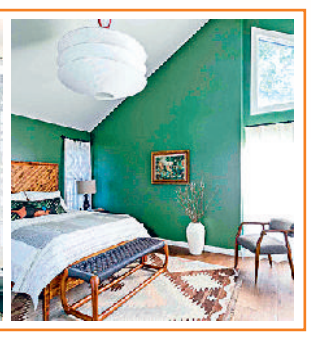

आमतौर पर जब बात घर और ऑफिस के इंटीरियर की आती है तो लोग वॉल पेंट को प्रमुखता देते हैं। इसमें कई स्टाइल, डिजाइन, पैटर्न से घर की दीवारों को सजाने के ऑप्शंस होते हैं। हालांकि पेंट और वॉल पेपर दोनों ही घर के इंटीरियर में अलग-अलग तरह के बदलाव लाते हैं। लेकिन दोनों के ही अपने-अपने फायदे और नुकसान होते हैं। आप इनमें से किसका चयन करना चाहती हैं, यह आपकी पसंद और जरूरत पर निर्भर करता है। इन दोनों में से कौन-सा ज्यादा अच्छा होता है, इसके बारे में अलग-अलग राय हो सकती है।

वॉल पेपर की क्वालिटीज: वॉल पेपर लोगों द्वारा इसलिए कम पसंद किए जाते हैं, क्योंकि इसे एक बार लगाने के बाद इसे हटाने का प्रोसेस थोड़ा मुश्किल होता है और इसके लिए प्रोफेशनल की मदद लेनी पड़ती है। उसकी तुलना में पेंट करवाना लोगों को ज्यादा सरल लगता है। वॉल पेपर किसी भी कमरे के एस्थेटिक्स में एक नया बदलाव ले आते हैं। जबकि पेंट में उतनी वैरायटी उपलब्ध नहीं होती। हालांकि वॉल पेपर्स हर घर के लिए उपयुक्त साबित नहीं होते। जिन घरों में बच्चे छोटे होते हैं और जहां पेट्स होते हैं, वहां वॉल पेपर जल्द खराब होने का डर रहता है। इसके अलावा जिन घरों की दीवारों में सीलन ज्यादा होती है, सीलन के कारण वॉल पेपर की शेप खराब हो जाती है और ये फूल जाती हैं। हालांकि वॉल पेपर की खूबी है कि इन पर अगर दाग या धब्बे लग जाते हैं तो उन्हें आसानी से रिमूव किया जा सकता है। अगर वॉल पेपर डैमेज हो जाते हैं तो इन्हें दोबारा फिक्स करवाया जा सकता है। हालांकि एक बार अगर वॉल पेपर घर की दीवारों पर लगा दिया जाता है और उसकी केयर की जाए तो यह कम से कम दस साल तक सही रहता है। वॉल पेपर में दीवारों के स्क्रेच या खुरदरेपन को छुपाया जा सकता है, जबकि पेंट में यह संभव नहीं होता। घर अगर बड़ा है और बड़ी दीवारों के लिए वॉल पेपर का इस्तेमाल किया जाता है तो इनमें आने वाले ज्वाइंट्स को अच्छी तरह से बनाना चाहिए। इनमें आने वाले क्रेक्स को भी ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है।

वॉल पेंट की खासियत: वॉल पेपर और पेंट की तुलना करने पर हम पाते हैं कि पेंटिंग में काफी समय लगता है, कई मजदूरों की जरूरत पड़ती है। बाद में घर की साफ-सफाई भी अच्छे से करनी पड़ती है। वॉल पेंट सीलन भरी दीवारों पर जल्दी खराब तो होता ही है, बच्चे या पेट्स इन पर दाग-धब्बे लगा देते हैं और थोड़े समय बाद दीवारों पर पेंट पुराने लगने लगते हैं। अगर उस जगह तेज धूप आती हो तो पेंट और भी जल्दी खराब हो सकता है। हालांकि इसके बावजूद वॉल पेंटिंग को अधिकांश लोगों द्वारा पसंद किया जाता है और इसे अधिक टिकाऊ माना जाता है।

वॉल पेपर का बजट: वॉल पेपर को लगाने के लिए किसी प्रोफेशनल की जरूरत होती है, जबकि पेंट करने का काम आप फैमिली मेंबर्स के साथ मिलकर स्वयं भी कर सकती हैं। पेंट जगह-जगह से उखड़ जाता है तो इसकी आप खुद रिपेयरिंग भी कर सकती हैं। जबकि वॉल पेपर पर खर्च ज्यादा आ सकता है।

उपलब्ध हैं कई वैरायटीज: वॉल पेंट हो या वॉल पेपर, दोनों में ही कई तरह के प्रयोग किए जा सकते हैं। वॉल पेपर में तो बहुत सारे डिजाइन और वैरायटीज आपको मिल जाएंगी, जो घर के इंटीरियर में पूरी तरह बदलाव ला देती हैं। वॉल पेपर के डिजाइन घर को ज्यादा स्पेशियस दिखाते हैं। उनको कस्टमाइज्ड कराया जा सकता है और इन्हें ऑर्डर पर भी लाया जा सकता है।

केयर

सरिता गुप्ता

इस मौसम में ऐसे करें स्किन केयर

गर्मी के मौसम में स्किन का बहुत ध्यान रखना पड़ता है, नहीं तो तेज धूप की वजह से स्किन पर रैशेज, टैन, सनबर्न और एक्ने जैसी बहुत-सी प्रॉब्लम हो सकती हैं। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए हम आपको ऐसे स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें आजमाकर आप अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं।

फेस वॉश करें: आप जब भी बाहर से घर लौटकर आएं तो सबसे पहले फेस वॉश जरूर करें। इससे आपके चेहरे पर जमा पसीना, धूल, प्रदूषण आदि सब साफ हो जाएगा। ऐसा करने से आप फ्रेश भी फील करेंगी। इसके साथ ही हफ्ते में एक बार स्क्रब भी कर सकती हैं।

सनस्क्रीन: वैसे तो सनस्क्रीन का यूज हर मौसम में करना चाहिए, लेकिन गर्मियों में तो घर से बाहर जाते समय एसपीएफ 30 वाली सनस्क्रीन का यूज जरूर करना चाहिए। यदि ज्यादा देर तक धूप में रहना हो, तो एसपीएफ 50 का यूज करें क्योंकि सूरज से निकलने वाली खतरनाक अल्ट्रावायलेट किरणें, हमारी त्वचा को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सनस्क्रीन हमारी त्वचा को धूप के सीधे संपर्क में आने से भी बचाती है।

एक्सफोलिएट: स्किन को हफ्ते में एक बार एक्सफोलिएट जरूर करना चाहिए। इससे फेस बिल्कुल साफ नजर आता है। इसके लिए ऐसे स्क्रब का चयन करें, जो फेस की सूजन को कम करें और डीप क्लीन करे। यह स्किन के टेक्सचर को सुधारने के साथ-साथ झुर्रियों को भी दूर रखता है।

नाइट केयर: रात को सोते समय हमारी स्किन रिपेयरिंग का काम करती है। इसलिए रात को जब नाइट क्रीम का यूज करते हैं तो इससे स्किन रिंकल फ्री और ग्लो करने लगती है। इसके लिए आप ऐलोवेरा जैल का भी यूज कर सकती हैं। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स: जहां तक संभव हो स्किन केयर के लिए हमेशा बिना केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का यूज करना चाहिए। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से स्किन पर एक्ने और रिंकल जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनकी जगह नेचुरल प्रोडक्ट्स यूज करें।

होम रेमेडीज: स्किन को हाइड्रेट करने और फ्रेशनेस बनाए रखने के लिए आप होममेड फेसपैक जैसे मुल्तानी मिट्टी, चंदन पावडर और गुलाब जल से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इनसे स्किन को कूलिंग इफेक्ट और फ्रेशनेस बनाए रखने में मदद मिलती है।

मॉयश्चराइजर: गर्मियों में अकसर लोग स्किन को मॉयश्चराइज करना अवॉयड करते हैं, जबकि यह स्किन केयर का जरूरी स्टेप होता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार गर्मी में लाइट या वॉटर बेस्ड मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए, जिससे स्किन ऑयली और डल न लगे।

(ब्यूटी एक्सपर्ट सीमा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डाइट सजेशन

मुक्ता भावसार

गर्मी के मौसम में खुद को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है। इससे आप एनर्जेटिक फील करेंगी। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी डाइट के बारे में, जो आपको रखेंगे हाइड्रेटेड।

गर्मी के मौसम में ऐसे रखें खुद को एनर्जेटिक-हाइड्रेटेड

गर्मी का मौसम अपने साथ लू, थकान और शरीर में पानी की कमी जैसी कई समस्याएं लेकर आता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे शरीर से पसीने के रूप में पानी और जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में अगर शरीर को समय-समय पर हाइड्रेट न किया जाए, तो चक्कर आना, थकावट और डिहाइड्रेशन जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। गर्मियों में सही खान-पान और पर्याप्त पानी पीना न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है, बल्कि ऊर्जावान भी बनाए रखता है। गर्मियों में थोड़ी-सी सावधानी और कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप न सिर्फ खुद को हाइड्रेटेड रख सकती हैं, बल्कि लू और थकान जैसी समस्याओं से भी बच सकती हैं।

पर्याप्त पानी पिएं: गर्मी में रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना जरूरी है। अगर पसीना ज्यादा आता है, तो मात्रा और बढ़ा दें। ठंडा पानी नहीं, बल्कि सामान्य तापमान या हल्का ठंडा पानी पीना ज्यादा फायदेमंद होता है। अगर सादा पानी पीने का मन न हो, तो उसमें नीबू, पुदीना, खीरा या तुलसी डालकर फ्लेवर्ड वाटर बनाएं। घर से निकलते समय एक गिलास पानी जरूर पीएं और पानी की बोतल साथ रखें।

हाइड्रेटिंग फ्रूट्स: तरबूज, खीरा, संतरा, अंगूर जैसे फलों में पानी भरपूर होता है। लौकी, तोरई जैसी सब्जियां और नारियल पानी शरीर को ठंडक और इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करते हैं। गर्मी के मौसम में इनका भरपूर सेवन करें। इसके साथ ही, नीबू पानी, लस्सी, बेल शरबत, आम का पना, जलजीरा और सौंफ-गुलकंद का पानी शरीर को ठंडा और पाचन को दुरुस्त रखते हैं। लस्सी, छाछ, पुदीना-तुलसी ड्रिंक, सत्तू का शरबत, पान-गुलाब शरबत जैसे पेय शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ एनर्जी भी देते हैं। गर्मी के मौसम में कोल्ड ड्रिंक्स और कैफीन का सेवन करने से बचें।

मसालेदार खाने से करें परहेज: अपने भोजन में सलाद, दही, ताजे फल, दालें और हरी सब्जियां जरूर शामिल करें। तले-भुने और मसालेदार खाने से परहेज करें। जंक और स्ट्रीट फूड का सेवन ना करें, क्योंकि यह पेट में गर्मी और एसिडिटी बढ़ा सकता है। बेहतर पाचन और शरीर में पानी की संतुलित मात्रा बनाए रखने के लिए हल्का, सुपाच्य और पौष्टिक भोजन ही लें।

(आहार विशेषज्ञ पूनम विशाल ज्वेल से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

दुकान का ताला तोड़कर दस फोन व नकदी चोरी

जींद। पिल्लूखेडा मंडी में बीती रात चोरों ने दुकान का ताला तोड़ कर दस मोबाइल फोन तथा चार हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव अमरावली निवासी दिलावर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिल्लूखेड़ा मंडी में फोन की दुकान है। चोरों ने ताला तोड़ कर दस फोन तथा चार हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया।

आईआईटी जेई में छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

जींद। गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय के छात्रों ने एनटीए द्वारा घोषित आईआईटी जेई की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय प्रधानाचार्य अजय कौशिक ने जानकारी देते बताया कि विद्यालय के होनहार विद्यार्थी लक्ष्य कपूर 93, अभिमन्यु 93, लक्ष्य ऐरन 85 व बहन बेदिता ने 92% अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण कर स्कूल व अपने माता पिता का नाम रोशन किया है।

केएम कालेज में लगेगा आरओ सिस्टम

नरवाना। के एम राजकीय कालेज नरवाना में एक केंद्रीकृत आरओ सिस्टम व ठंडा करने वाला बड़ा सिस्टम लगने जा रहा है। सिस्टम को लगवाने की घोषणा राज्यसभा सांसद श्री सुभाष बराला जी ने अपने सांसद निधि कोटे से 11 लाख रुपए की राशि मंजूर की थी। इस सिस्टम के लगने से कॉलेज में लंबे समय से पानी की चली आ रही समस्या का समाधान हो जाएगा। छात्रों को अच्छी गुणवत्ता युक्त पानी पीने के लिए मिलेगा।

अनाजमंडियों में गेहूं की आवक तेज

जींद। रबी सीजन में गेहूं की फसल की आवक जिले की मंडियों में तेजी से हो रही है। गत दिवस तक जिले की विभिन्न अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर कुल 4,14,591 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की जा चुकी है। जिसे विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदा है। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि खरीद व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियां पहले से ही कर ली गई थी।

दस्तावेज त्रुटि सुधार के लिए दिया अंतिम अवसर

जींद। जिला कल्याण अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि डा. भीम राव अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना साल 2024-25 के तहत विद्यार्थियों द्वारा सरल पोर्टल पर एक अगस्त 2024 से 28 फरवरी 2025 तक आवेदन किए गए थे। विभाग द्वारा प्राप्त आवेदनों की छंटनी के दौरान इनमें कुल 894 आवेदन पत्रों में दस्तावेजों से संबंधित त्रुटियां पाई गई थी।

आगजनी से जली गेहूं की फसल पर जताई चिंता

जींद। अखिल भारतीय किसान सभा ने प्रदेशभर में अलग-अलग जगह पर आगजनी के कारण जली गेहूं की फसल पर चिंता जाहिर करते हुए सरकार से की मुआवजे की मांग की। अखिल भारतीय किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष फूलसिंह श्योकंद, जिला सचिव बलिंद्र एवं जिला प्रधान चांद बहादुर ने कहा कि अलग-अलग कारणों से प्रदेश भर में हजारों एकड़ गेहूं की फसल जल कर राख हो गई।

बच्चों को पढ़ाया नैतिकता का पाठ

जींद। गांव डाहौला के नव प्रगति स्कूल में प्रार्थना सभा में आचार्य जोरा सिंह ने बच्चों को नैतिक शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। बताया कि आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में नैतिकता का पतन होता जा रहा है। बच्चों का भविष्य खराब होने के साथ सामाजिक मूल्यों का पतन भी होता जा रहा है। लगातार चलता रहा तो हम स्वामी दयानंद स्वामी विवेकान्द जैसे महापुरूषों के बताए रास्ते से भटक जाएंगे।

अन्य च्वायस स्टेशन खोलने की मांग

जींद। डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के राज्य प्रधान विजेंद्र मोर ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा पंजाबी प्रवक्ता के पद पर पदोन्नत हुए पंजाबी अध्यापकों को 20 अप्रैल तक ऑनलाइन स्कूल भरने के आदेश दिए गए थे। इन अध्यापकों के लिए स्टेशन च्वायस के लिए जो विद्यालय खोले गए हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने फसल खरीद का जायजा लिया

आगजनी की घटनाओं को लेकर सीएम पूरी तरह से गंभीर : कर्मवीर

डीसी के समक्ष आवेदन करें प्रभावित किसान, हर संभव मदद करेगी सरकार

नुकसान से प्रभावित किसानों को आगामी फसलों की बुवाई के लिए बीज व खाद में मदद की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं हरियाणा कान्फेड के चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि प्रदेश में हाल में हुई आगजनी की घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पूरी तरह से गंभीर हैं। चूंकि मुख्यमंत्री स्वयं एक किसान के बेटे हैं वो किसान के हर दुख दर्द को जानते हैं। मुख्यमंत्री ने बिना किसी देरी के इस मसले को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें प्रभावित किसानों व पशुपालकों की हर संभव मदद करने के निर्देश दिये हैं। चेयरमैन कर्मवीर सैनी सफीदों ने प्रवास के दौरान मंडी में फसल खरीद का निरीक्षण किया। इस दौरान वे आढतियों, किसानों व कार्यकर्ताओं से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि कि आगजनी की घटनाओं से प्रदेश में फसलों, पशुओं या अन्य जानमाल का नुकसान हुआ है। ऐसे प्रभावित किसानों, पशुपालकों आदि सरकार की ओर से जल्द मुआवजा प्रदान किया जाएगा। नुकसान से प्रभावित किसानों को आगामी फसलों की बुवाई के लिए बीज व खाद में मदद की जाएगी। चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने आगजनी के नुकसान से प्रभावित किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने जिले के उपायुक्त के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करें। सरकार द्वारा प्रशासन को प्रभावित किसानों की हर संभव मदद करने के स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं। चेयरमैन कर्मवीर सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के आदेशों की अनुपालना में मंडियों में किसानों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के साथ-साथ फसल खरीद और उठान को लेकर भी संबंधित विभाग जीजान से लगे हुए हैं। मुख्यमंत्री के स्पष्ट आदेश हैं कि मंडियों में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर उनके साथ सेलर एसोसिएशन सफीदों के प्रधान सुभाष जैन, अनाज मंडी प्रधान कृष्ण गोपाल, राकेश मित्तल उपप्रधान सफीदों अनाज मंडी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जींद। सफीदों अनाज मंडी में फसल खरीद का निरीक्षण करते भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं कान्फेड चेयरमैन कर्मवीर सैनी। *फोटो :हरिभूमि*

कैथल। पाई के खेतों में सुलग रही आग। *फोटो :हरिभूमि*

शार्ट सर्किट से गेहूं के फानों में लगी आग

कैथल। गांव पाई किसानों के खेत में आग लगने से काफी नुकसान हो गया। आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। शॉर्ट सर्किट की चिंगारी से गेहूं के फानों में लग जाती है और देखते ही देखते आग किसान कृष्ण, रामनिवास, कृष्ण लाल के 14 से 15 एकड़ में फैल जाती है और किसानों का काफी नुकसान हो जाता है। किसानों ने बताया कि सुबह आग लगी तो फायर ब्रिगेड को फोन किया तो फायर बिग्रेड की गाड़ी एक से डेढ़ घंटे बाद पहुंची। जब तक आग कई एकड़ में फैल चुकी थी।

सुरेंद्र बूढा बाबा मंच के अध्यक्ष नियुक्त

- आधा दर्जन बस्तियों के लोगों ने किया सांझे मंच का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भिवानी रोड जयंति स्कूल में सोमवार को बूढ़ा बाबा बस्ती, विकास नगर, आश्रम बस्ती, शर्मा नगर, न्यू श्याम नगर, दुर्गा कालोनी के मौजिज लोगों की बैठक हुई। जिसमें इलाके विकास तथा लोगो के सुख दुख की भागेदारी को लेकर बुढ़ाबाबा मंच का गठन किया गया। जिसमें सुरेंद्र भारद्वाज को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया और कार्यकारिणी का भी गठन किया । वार्ड 30 के पार्षद सतीश हरियाणवी को उपप्रधान बनाया गया है। बताया कि इस इलाके में अधिकांश लोग गरीब मजदूर व आर्थिक रुप से पिछड़े लोग रहते हैं। इलाके का विकास हो और जरूरतमंद लोगों की सहायता हो सकें। उन्होंने बताया कि हरीओम को महासचिव, राकेश को सचिव, बिट्टू को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वेद प्रकाश पंचाल, अजमेर खर्ब, सतीश ढिल्लो, ब्रह्मानंद थानेदार, सत्यवान जादूगर को संरक्षक बनाया गया है। राजबीर थानेदार, धर्मवीर साहु, कुलबीर सरपंच, अजमेर दुग्गल, सोनू गिरी, कुलदीप, विक्की, राजीव शर्मा, नरेश सेन, डा. जिनेंद्र, सुशील सेन को सदस्य बनाया गया है।

जींद। बैठक में भाग लेते कालोनी के लोग। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते छात्र। *फोटो :हरिभूमि*

डिजिटल मार्केटिंग विषय पर सेमिनार

जींद। हरियाणा नॉलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा सामाजिक संस्था महात्मा गांधी शिक्षा एवं समाज विकास संगठन के प्रांगण में संचालित एचकेसीएल कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में डिजिटल मार्केटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का रोजगार में योगदान विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य में युवाओं के बीच डिजिटल मार्केटिंग के बढ़ते महत्व और इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाओं से अवगत कराना था। इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में एडब्लूएल मेटावर्स कंपनी के निदेशक राकेश श्योकंद ने अपने विचार सांझा किए। डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं जैसे सोशल मीडिया मार्केटिंग, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, कंटेंट मार्केटिंग, ई-मेल मार्केटिंग और एफिलिएट मार्केटिंग पर विस्तार से चर्चा की।

आरोही स्कूल की प्रवेश परीक्षा 24 अप्रैल को होगी

राजौंद। गांव सोंगरी के आरोही मॉडल स्कूल में सत्र 2025- 26 के लिए कक्षा आठवीं व 11वीं के लिए 24 अप्रैल को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। कक्षा आठवीं में अभी 10 सीटें रिक्त हैं और कक्षा 11वीं में आर्ट्स कॉमर्स एवं विज्ञान तीनों संकायों के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। विद्यालय की प्राचार्या सुनीता आहूजा ने बताया कि 11वीं कक्षा में अपेक्षित सीटे रिक्त हैं किसी भी संकाय में छात्र 11वीं में प्रवेश पा सकता है। परीक्षा 24 अप्रैल को सुबह 10 बजे स्कूल प्रांगण में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा का समय 10 से 12 बजे 2 घंटे का रखा गया है।

ध्यान योग से मानसिक शांतिः डॉ. दहिया

कैथल। आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में वृद्धों, दिव्यांगजनों, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया के मार्गदर्शन में 21 से 26 अप्रैल तक जिला नागरिक अस्पताल कैथल में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योग शिविर का शुभारंभ किया गया। इसमें 50 गर्भवती महिलाओं ने भाग लिया। विशेष योग शिविर में गर्भावस्था को ध्यान में रखते हुए गर्दन, कमर, घुटने आदि के सुक्ष्म व्यायाम, नॉर्मल डिलीवरी में मददगार तितली आसन, भद्रासन, मन को शांति रखने अनुलोम विलोम, नाडी शोधन एवं भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। योग शिविर में योग विशेषज्ञ द्वारा गर्भावस्था में खान पान संबंधी ध्यान रखने योग्य की जानकारी दी।

कैथल। नागरिक अस्पताल में योगासन करती महिलाएं। *फोटो :हरिभूमि*

कैथल। ग्रामीणों को जागरूक करती पुलिस टीम। *फोटो :हरिभूमि*

नशा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

कैथल। नशा जागरूकता टीम में शामिल एएसआई ओमप्रकाश व एचसी सुनील कुमार की टीम द्वारा पपराला, भाटिया, जुनैदपुर, श्यौमाजरा, गुहला व चीका में आमजन, माता-पिता व उनके बच्चों से मिलकर नशे से बचने हेतु जागरूक किया साथ ही उन्हें नशे के विरुद्ध शपथ दिलाई तथा नशा तस्करो पर प्रहार करने के लिए पुलिस की मदद करने के संबंध में प्रेरित किया। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम द्वारा आम जन को नशे से होने वाली हानि व खेल से होने वाले लाभ के बारे में लोगों को जानकारी दी। उन्हें बताया कि हमें किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए। नशा हमारे जीवन को धीरे-धीरे अंधकार की ओर ले जाता है। जो लोग नशे के आदि हो जाते हैं जब तक उन्हें पता चलता है उनके घातक परिणाम सामने आने लगते हैं।

नींव फैसिलिटेशन प्रोग्राम का आयोजन

जींद। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ईक्कस में नींव फैसिलिटेशन प्रोग्राम का आयोजन प्राचार्य डा. विजयलक्ष्मी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. जगमहेंद्र सिंह, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डा. अनूप कुमार, विजय भारद्वाज, अल्पना, अर्चना, विजय अहलावत, सुरेश, जितेंद्र मलिक और हरिकेश दलाल जैसे विषय विशेषज्ञों ने सक्रिय सहभागिता की और महत्वपूर्ण विचार सांझा किए। प्राचार्य डा. विजय लक्ष्मी ने कहा कि नींव प्रोग्राम के तहत बोर्ड कक्षाओं के विद्यार्थियों को प्रतिदिन पलाओ प्लेटफॉर्म के माध्यम से साइंस और गणित विषयों के वीडियो उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें संकल्पना आधारित शिक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही ऑनलाइन असाइनमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों की निरंतर अभ्यास और मूल्यांकन की प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जा रही है।

जींद। शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना होते छात्र। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते अध्यापक। *फोटो :हरिभूमि*

शिमला विवि दौरे पर रवाना छात्र

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा 21 से 23 अप्रैल तक हिमाचल प्रदेश विवि शिमला का शैक्षिक दौरा करेंगे। इस दौरे में विभाग के 35 छात्र व छात्राएं भाग ले रहे हैं। उनके साथ डा.सुनीति एवं डा. जितेन्द्र कुमार शिक्षकों के रूप में मार्गदर्शन करेंगे। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान के व्यावहारिक पक्षों से रूबरू कराना है। हिमाचल प्रदेश विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग का प्रत्यक्ष अवलोकन छात्रों को खेल अधोसंरचना, अनुसंधान, प्रशिक्षण प्रणाली तथा शैक्षणिक गतिविधियों को समझने का अवसर प्रदान करेगा। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. कुलदीप नारा ने इस अवसर पर छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देते कहा कि ऐसे शैक्षिक दौरों से छात्रों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा व्यवहारिक ज्ञान का विकास होता है।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य। *फोटो :हरिभूमि*

नशे से दूर रहें

जींद। राजकीय महाविद्यालय जींद में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में नशा मुक्त हरियाणा के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए साइक्लोथॉन 2.0 की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय के सभी अध्यापकों व गैरशिक्षण सदस्यों ने भाग लिया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य हैं। हमारा नैतिक कर्तव्य है कि हम न केवल स्वयं नशे से दूर रहें बल्कि अपने परिवार के सदस्यों, बच्चों, पड़ोसियों व मित्रों को भी जागरूक करें जो नशे की लत में पड़ सकते हैं। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अमन ने साइक्लोथॉन रैली की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए एनसीसी, एनएसएस रेडक्रॉस, रेड रिबन क्लब, खेल व महाविद्यालय के सभी विभाग सहयोग करेंगे।

वेतन जारी करने की मांग उठाई

- ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने किया मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन ने सोमवार को लघु सचिवालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया। कर्मचारियों ने मार्च महीने का वेतन जारी करने की मांग की। अध्यक्षता यूनियन के जिला प्रधान गुलाब ने की धरने को संबोधित करते प्रधान गुलाब सिंह, ने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी देश व प्रदेश को साफ व सुथरा व स्वस्थ बनाने के लिए काम करते हैं लेकिन इनकी दशा बड़ी दयनीय है। ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को हर महीने अपने द्वारा किए गए काम का वेतन लेने के लिए संघर्ष ही करना पड़ता है। पंचायत विभाग के मुख्यालय द्वारा हर महीने सात तारीख तक वेतन जारी करने का लेटर तक जारी किया हुआ है। इसके बावजूद वेतन कभी भी समय पर नही डलता। मजबूरीवश जिलाभर के ग्रामीण सफाई कर्मचारी आंदोलन करने को मजबूर हैं। मांग की कि मार्च का बकाया मानदेय जल्द से जल्द जारी किया जाए। सीटू के जिला सचिव कपूर सिंह ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जींद में 24 नवंबर को डीएससी समाज का सम्मेलन करते सफाई कर्मचारियों के वेतन को 26 हजार करने कि घोषणा कि थी लेकिन छह महीने के हो गए लेकिन आज तक इसका कोई नोटिफिकेशन जारी नही किया।

जींद। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते सफाई कर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। जन समस्याएं सुनते नगराधीश। *फोटो :हरिभूमि*

समाधान शिविर का फायदा उठाएं

जींद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को कार्य दिवसों में नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए गए। नगराधीश डा. आशीष देशवाल ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में तथा उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर संबंधित उपमंडल में स्थित एसडीएम कार्यालय में आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। इन शिविरों में सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित होते हैं।

मोतीलाल नेहरू स्कूल में बच्चों के साथ मनाया रेड-डे

लाल रंग प्रेम व जीवन की जीवंतता का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय की प्राथमिक विभाग की सैपलिंग शाखा में रेड डे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नर्सरी कक्षा से पहली कक्षा तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए आयोजित किया गया। इस रंगीन और उल्लासपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को रंगों की पहचान करवाना, उनमें सौंदर्यबोध का विकास करना और रंगों के माध्यम से प्रकृति एवं जीवन से जुड़ने की प्रेरणा देना था। कार्यक्रम में सभी बच्चे लाल रंग के वस्त्रों में सजकर आए। छोटे-छोटे बच्चों ने लाल रंग की पौषाक पहन कर जेसै पूरे विद्यालय को एक सुंदर गुलाबों के बगीचे में बदल दिया हो। कुछ बच्चे सेब, टमाटर, गुलाब, लाल गुब्बारे आदि की वेशभूषा में मंच पर आए। जिससे कार्यक्रम में रचनात्मकता की झलक भी देखने को मिली। इस विशेष आयोजन को और भी सुंदर बनाने के लिए शिक्षकों ने भी लाल रंग की साड़ी एवं ड्रेस पहन कर भाग लिया और बच्चों के साथ मिल कर उत्सव का आनंद लिया। कक्षा को भी सुंदर सजावट से सजाया गया है। जिसमें लाल रंग के गुब्बारे, पोस्टर और रंगीन चार्ट बच्चों के द्वारा बनाए गए। विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया और प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि बच्चों की शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि उन्हें रंगों, ध्वनियों, खेलों और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से भी ज्ञान देना आवश्यक है।

रेड डे जैसे आयोजनों से बच्चों को रंगों की पहचान तो होती ही है। साथ ही उनका आत्मविश्वास, बोलचाल और मंच संचालन का कौशल भी विकसित होता है। रेड रंग ऊर्जा, साहस, प्रेम व जीवन की जीवंतता का प्रतीक है और हम चाहते हैं कि हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चे भी इसी जोश और उमंग से जीवन में आगे बढ़ें। शिक्षकों ने बच्चों के साथ इन सभी गतिविधियों में भाग लिया और बच्चों को प्रोत्साहित किया। विद्यालय का पूरा वातावरण उल्लास और उमंग से भरा हुआ था। विद्यालय प्रशासक वीपी शर्मा और हेड कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र कुमार ने कहा कि आगे भी इस तरह के रंग आधारित थीम डे आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि बच्चों की रचनात्मकता और भागीदारी को बढ़ावा मिल सके।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

जींद। ड्रम में लार्वा की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

कर्मियों बिरौली में जांचा लार्वा

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किनाना के तहत आने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर बिरौली के गांव बिरोली में स्वास्थ्य कार्यकर्ता जितेंद्र सैनी और गांव की आशा वर्करों ने गांव में घर-घर जाकर बुखार के मरीजों की रक्त पट्टिकाएं बनाई और दवाई दी। स्वास्थ्य कार्यकर्ता जितेंद्र सैनी ने बताया की मलेरिया जानलेवा हो सकता है। मलेरिया संक्रमित मच्छर के काटने से फैलता है। मलेरिया के लक्षण सर्दी व कंपन के सथ तेज बुखार आना, सिर दर्द व उल्टियां आना, एक दिन छोड़ कर या चौथे दिन बुखार आना मलेरिया हो सकते, मच्छरों को पनपना से रोकने के कुछ सरल उपाय, घर पर रखे बिना ढके पानी के बर्तन वह छत पर टंकी में एकत्रित पानी में मच्छर पैदा होते हैं। इसलिए इनको हमेशा ढक कर रखें। प्रत्येक रविवार को अपने घर पर सूखा दिवस मनाएं। अपने घर के आसपास पानी जमने होने दें। पानी से भरे गड्ढे में मिट्टी भर दें।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

जींद। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल उचाना कलां के छात्रों ने कक्षा तत्परता कार्यक्रम के अंतर्गत नागरिक अस्पताल उचाना का शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्रों को स्वास्थ्य सेवाओं व अस्पताल की कार्यप्रणाली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। एसएमओ डा. सुशील गर्ग लैब तकनीशियन बलजीत ने छात्रों को अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं एवं जांच प्रक्रियाओं और साफ-सफाई से जुड़े पहलुओं की विस्तृत

राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर इंटर्नशिप वर्कशॉप

जींद। राजीव गांधी महाविद्यालय उचाना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर इंटर्नशिप वर्कशॉप का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के रूप में चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी से डा. अनुपम भाटिया ने शिरकत की। डॉ० भाटिया ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों को न केवल किताबी शिक्षा बल्कि स्किल्ड एजुकेशन देना भी प्रमुख उद्देश्य है।

पुलिस का साइबर जागरूकता अभियान लगातार जारी

कैथल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल के आदेशानुसार जिला पुलिस की टीमें जिले में विभिन्न स्थानों पर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को साइबर अपराधों बारे जागरूक कर रही है। सोमवार को एसपी राजेश कालिया के कुशल मार्गदर्शन में गुहला कोर्ट, डी ए वी कॉलेज चीका, कोर्ट व जिला सचिवालय कैथल में साइबर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध के तरीकों व बचाव के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

35 छात्रों का योकोहामा रीस मितास में चयन

गुहला-चीका। आज राजकीय बहुतकनीकी चीका के 35 छात्रों का योकोहामा टायर और रीस मितास टायर कंपनियों में ओनलाईन प्लेस्समेंट ड्राइव के दौरान चयन हुआ है। राजकीय बहुतकनीकी चीका में पहले भी प्लैस्मन्ट विभिन्न कंपनी द्वारा चलती रहती है जो कि संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता और औद्योगिक प्रशिक्षण की उत्कृष्टता को दर्शाता है।

हिमांशु ने जेईई मेन परीक्षा उतीर्ण की

नरवाना। वेदांता इंटरनेशनल स्कूल के प्रतिभाशाली छात्र हिमांशु पुत्र नरेंद्र ने एनटीए द्वारा आयोजित जेईई मेन परीक्षा में अपने पहले ही प्रयास में 99.34 स्कोर प्राप्त कर विद्यालय परिवार और पूरे समुदाय का नाम गौरवान्वित किया है। यह सफलता हिमांशु की कड़ी मेहनतए अनुशासन और अटूट समर्पण का परिणाम है। उन्होंने यह साबित किया है कि निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

भाविप ने कीर्तन का किया आयोजन

पूंडरी। भारत विकास परिषद फतेहपुर पुंडरी शाखा की ओर से सुंदरकांड पाठ और कीर्तन का आयोजन सेठ झंडामल धर्मशाला में करवाया गया। इस अवसर पर भजन गाईका साधना गर्ग कैथल ने बहुत अच्छे से भजन गाए और सब का मन मोह लिया। कार्यक्रम के संयोजक ममता वर्मा पत्नी राजकुमार वर्मा रहे। सभी परिषद सदस्यों ने मिलकर सुंदरकांड का पाठ किया।

पबनावा में विधायक सतपाल जांबा व भाजपा जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी करेंगे स्वागत

ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर आज कैथल पहुंचेगी साइक्लोथॉन यात्राः एडीसी

साइक्लोथॉन का जिले में जगह जगह होगा भव्य स्वागत, जिला प्रशासन ने की तैयारियां, यात्रा को लेकर जिला वासियों में जोश व उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कैथल। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए। *फोटोः हरिभूमि*

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने कहा ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत प्रदेश भर में चल रही साइक्लोथॉन मंगलवार को कुरुक्षेत्र से जिले के गांव पबनावा से दोपहर को कैथल में प्रवेश करेगी। जिला प्रशासन द्वारा इस यात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। जिले से हजारों की संख्या में लोग विशेषकर युवा पूरे जोश और उत्साह के साथ साइकिल यात्रा का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। साथ ही भारी संख्या में लोग इस यात्रा में भाग लेंगे। यात्रा को सफल बनाने के लिए अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई हैं। सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का सजगता के साथ पालन करें।

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में साइक्लोथॉन के संबंध में अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि सबसे पहले यह यात्रा जिले के पबनावा गांव पहुंचेगी। जहां पूंडरी विधायक सतपाल जांबा व भाजपा जिला अध्यक्षा ज्योति सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति यात्रा का स्वागत करेंगे।

इस आयोजन में जिले के हजारों साइकलिस्ट भाग लेंगे और नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। इसके बाद यात्रा ढांड, फरल, पूंडरी, मूंदड़ी से होते हुए कैथल शहर स्थित पुलिस लाइन में शाम को पहुंचेगी। इसके बाद 23 अप्रैल को यात्रा पुलिस लाइन से सुबह सात बजे रवाना होगी। जहां से महाराजा मिहिर भोज चौक से होते हुए पिहोवा चौक, पुराना बस अड्डा, जाखौली अड्डा आदि से होते हुए चंदाना, कैलरम, बाता, कलायत तथा शिमला गांव से जींद जिले में प्रवेश करेगी। जगह जगह पर ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश लेकर चल रहे साइकिल यात्रा के प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया जाएगा।

सरपंच व ग्रामीण भागीदारी सुनिश्चित करवाएं

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने कहा कि पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे यात्रा के रूट प्लान में आने वाले गांवों के सरपंच व अन्य ग्रामीणों भागीदारी सुनिश्चित करवाएं। इसी प्रकार उन्होंने खेल विभाग, आईटीआई, शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि वे अधिक से अधिक विद्यार्थियों व युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करवाएं। पुलिस विभाग सुरक्षा व्यवस्था तथा यातायात व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम करें। स्वास्थ्य विभाग सुनिश्चित करे कि यात्रा के साथ डॉक्टर सहित एंबुलेंस साथ चलें। जन स्वास्थ्य विभाग पीने के पानी व शौचालय को लेकर व्यवस्था करें। सभी नोडल अधिकारी अपने प्वाइंट पर प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था रखें। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी 23 अप्रैल को सुबह पुलिस लाइन में प्रशिक्षित बालकों से नशा मुक्ति से संबंधित योग क्रियाएं करवाना सुनिश्चित करें।

वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण करवाएं

उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य हरियाणा को नशा मुक्त बनाना है। गत सात अप्रैल से हिसार से शुरू हुई यह साइक्लोथॉन पूरे राज्य में नशे के खिलाफ युवाओं को जोड़ते हुए एक सामाजिक परिवर्तन की अलख जगा रही है। इस यात्रा में भाग लेने के लिए सभी आमजन वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करवाएं। उन्होंने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने में अपना योगदान दें। इस अवसर पर सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीआईओ दीपक खुराना, डीएसपी भीरभान, डीएसपी गुरविंदर सिंह, जिला कल्याण अधिकारी सीमा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जींद। यात्रा को लेकर निरीक्षण करते हुए डिप्टी स्पीकर। *फोटोः हरिभूमि*

साइक्लोथॉन यात्रा के लिए फील्ड में उतरे डिप्टी स्पीकर

- साइक्लोथॉन यात्रा का परशुराम चौक से 24 अप्रैल को मुख्यमंत्री झंडी दिखाकर करेंगे रवाना
- साइक्लोथॉन का जिले में जगह जगह होगा भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत प्रदेशभर में चल रही साइक्लोथॉन (साइकिल यात्रा) 23 अप्रैल को जिला में प्रवेश करेगी। इस यात्रा को 24 अप्रैल को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यअतिथि शिरकत कर परशुराम चौक से झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। नशा मुक्ति का संदेश लेकर आ रही इस ऐतिहासिक यात्रा के स्वागत को लेकर पूरे जींद जिले के नागरिकों में उत्साह और जोश का माहौल है। जिला प्रशासन द्वारा इस आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं व जिले से हजारों की संख्या में लोग पूरे जोश और उत्साह के साथ साइकिल यात्रा का स्वागत करने को उत्सुक हैं।

नशे के खिलाफ आवाज उठाएंगे

डिप्टी स्पीकर सोमवार को साइक्लोथॉन यात्रा के सद्धक्तल आयोजन को लेकर अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले यह यात्रा 23 अप्रैल को जिला के उपमंडल नरवाना, उचाना होती हुई जींद में प्रवेश करेंगी। 24 अप्रैल को होने वाले इस आयोजन में जिले के हजारों साइकलिस्ट भाग लेंगे और नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। यह यात्रा परशुराम चौक से सफीदों गेट, रूपया चौक, पटियाला चौक, टैंडरी मोड, ईक्कस होती हुई नारनौंद में प्रवेश करेगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य हरियाणा को ड्रग फ्री बनाना है। हिसार से शुरू हुई यह साइक्लोथॉन पूरे राज्य में युवाओं को जोड़ते हुए एक सामाजिक परिवर्तन की अलख जगा रही है। जींद जिले में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

ग्रैंड कॉरपोरेट मीट पच्चीस को

- एनआईआईएलएम विवि में होगा ग्रैंड कॉरपोरेट मीटः प्रो.अहमद

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कैथल। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.डॉक्टर शमीम अहमद मीटिंग लेते हुए।

एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के तत्वावधान में 25 अप्रैल को विवि के मुख्य ऑडिटोरियम में अपना कॉरपोरेट मीट 2025 आयोजित की जाएगी । कॉपोर्रेट मीट से संबंधित महत्वपूर्ण मीटिंग को संबोधित करते विवि कुलपति प्रो.डॉ शमीम अहमद ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटना है, जिसमें अग्रणी कॉपोर्रेट अधिकारियों, शिक्षाविदों और छात्रों को एक छत के नीचे एक साथ लाना है। इस मीट का विषय है /"एचआर का भविष्यः रुझान, चुनौतियाँ और अवसर/" वीटा, मधु फूड्स, डीसीसी प्रोजेक्ट्स, किआ, महिंद्रा, एमजी, हुंडई, टोयोटा, सैन्सन्स पेपर मिल पेहोवा, शुगर मिल कैथल, मारुति सुजुकी, एलआरएनके, एचडीएफसी बैंक, डीसीबी बैंक और कई अन्य जैसी बहुत प्रसिद्ध कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भाग लेने जा रहे हैं। मीट में मुख्य भाषण, पैनल चर्चा, नेटवर्किंग सत्र और छात्र प्रस्तुतियां शामिल होंगी। डॉ. रेखा गुप्ता, डीन स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट ने कहा, /"कॉपोर्रेट मीट 2025 हमारे छात्रों के लिए उद्योग जगत के नेताओं से बातचीत करने, वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को समझने और करियर के अवसरों की खोज करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

पदक विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

- वुशु प्रतियोगिता में कैथल के खिलाड़ियों ने जीते 47 पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

4वीं जिला वूशु प्रतियोगिता में सरकारी वूशु सेंटर इंडोर स्टेडियम के खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन। 42 स्वर्ण 4 रजत और 1 कांस्य पदक जीत कर ओवरऑल पहला स्थान हासिल किया। सरकारी वूशु कोच रीता रानी ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन जिला वूशु संघ द्वारा सनराइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल माधो में 20 अप्रैल को करवाया गया। इसमें सरकारी वूशु सेंटर के 28 महिला / पुरूष खिलाडियो ने भाग लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 47 पदक प्राप्त किए। वूशु की सांशु इवेंट में सब जूनियर 12 वर्ष महिला वर्ग में 26 किलो भार में देवांशी ने स्वर्ण पदक,14 वर्ष आयु वर्ग में मोहिका शर्मा ने 39 किलो भार में स्वर्ण पदक, जुनियर महिला वर्ग में 45 किलो भार वर्ग में भावना ने स्वर्ण पदक, अनु ने रजत और मीनाक्षी ने कांस्य पदक प्राप्त किया। 48 किलो भार में रशिका ने स्वर्ण पदक और 56 किलो भार वर्ग में सिमरन ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

सीनियर महिला 52 किलो में ऋतु ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सब जूनियर 12 वर्ष पुरुष वर्ग में 22 किलो भार में आदर्श ने स्वर्ण पदक पदक,14 वर्ष आयु में 39 किलो भार में जतिन ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। जुनियर पुरुष वर्ग में मोहित ने 60 किलो भार में स्वर्ण पदक, गौतम ने 65 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक पदक प्राप्त किया। सीनियर पुरुष वर्ग में 70 किलो भार में विशाल ने स्वर्ण 75 किलो में जयकृष ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

कैथल। वुशु में अव्वल रहे खिलाड़ी। *फोटोः हरिभूमि*

खिलाड़ियों को बधाई दी

सब जूनियर पुरुष वर्ग में पुनीत सिरोही ने 2 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। जुनियर पुरुष वर्ग में लक्ष कथुरिया ने 1स्वर्ण पदक , श्याम सुन्दर ने 1 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक प्राप्त किए। सरकारी वूशु प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों की शानदार सफलता पर जिला खेल अधिकारी श्रीमति राजरानी राणा ने कोच रीता रानी और सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

अनाज मंडियों में मची अव्यवस्था : सुरजेवाला

- राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह ने प्रदेश की सरकार पर बोला हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

पूंडरी। पूंडरी अनाज मंडी में किसानों व आढ़तियों की समस्या सुनते रणदीप सुरेजवाला। *फोटोः हरिभूमि*

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार और प्रशासन के अधिकारी मंडियों में फैली अव्यवस्था के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं। उठान एजेंसियों से मिलीभगत के चलते करोड़ों रुपये की अवैध वसूली की जा रही है और भ्रष्टाचार का खामियाजा आज किसान, आढ़ती और मजदूर सभी को भुगतना पड़ रहा है। सुरजेवाला सोमवार को पूंडरी अनाज मंडी में किसानों व आढ़तियों से मुलाकात करने पहुंचे थे। यहां उन्होंने पूर्व मंडी प्रधान रामपाल बरसाना की दुकान पर बातचीत करते हुए कहा कि मंडियों में जितनी गाड़ियों का उठान के लिए टेंडर छोड़ा, उसका आधा भी ठेकेदारों ने लगाया नहीं है। ठेकेदार से पैसा मिल बांटकर कहा रहे है। उठान में देरी और अव्यवस्था के चलते किसानों की फसलें खुले में सड़ रही हैं और आढ़तियों पर भार बढ़ रहा है। मजदूरों को भी काम नहीं मिल पा रहा है।

5 हजार एकड़ फसल राख

सीएम पर हमला बोलते सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से नीचे उतरने को तैयार नहीं हैं, जबकि कैथल जिले के आधा दर्जन गांवों में आग लगने से करीब 5 हजार एकड़ फसल जल चुकी है। मुख्यमंत्री को इतने बड़े नुकसान के बाद भी किसी गांव में जाकर किसानों के आंसू पोंछने की फुर्सत नहीं मिली। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री और खाद्य आपूर्ति मंत्री ने प्रदेश की किसी भी मंडी का दौरा नहीं किया जो सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। पत्रकारों द्वारा कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया की नाराजगी को लेकर पूछे सवाल पर सुरजेवाला ने स्पष्ट किया कि सेतिया को पार्टी महासचिव ने दिल्ली बुलाया है और कांग्रेस पूरी तरह से विपक्ष की भूमिका निभा रही है। भाजपा ने जनता से वोट लेकर पीठ दिखाई है।

रविंद्र ने 1500 मीटर में जीता गोल्ड

- 46वीं आल इंडिया इंटरमिट 19 तक कोल्हापुर में खेली गई

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

46 वीं आल इंडिया इंटरमिट 19 अप्रैल तक कोल्हापुर में खेली गई। इलेक्ट्रिक स्टेट खेल कंट्रोल बोर्ड महाराष्ट्रा द्वारा सजाए गए इस दंगल में कलायत बिजली निगम में लाइनमैन के पद पर कार्यरत जिला जींद के गांव संडील निवासी रवींद्र वत्स ने 1500 मीटर रेस में गोल्ड मैडल झटका। जबकि 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में सिल्वर मैडल मिला। होनहार खिलाड़ी का सोमवार को गांव व कार्यालय पहुंचने पर पुरजोर स्वागत किया गया। रवींद्र वत्स ने बताया कि मुकाबलों में 14 राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया। इसमें हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात, हिमाचल और अन्य राज्यों की टीमें शामिल रही। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पिता आभे राम ने साधारण किसान व माता माया देवी ने गृहिणी होते हुए उन्हें पढ़ने के बेहतर अवसर दिए।

इस बदौलत ही उन्हें सरकारी सेवा में आने का मौका मिला। इसके साथ ही विवाह उपरांत इतिहास विषय की प्राध्यापक पत्नी बेबी ने नौकरी के साथ-साथ खेलों के प्रति उत्साहित किया। इस प्रकार परिवार की तरफ से निरंतर मिले सहयोग के आधार पर ही उन्होंने नौकरी के साथ-साथ खेलों का जीवन में अहम स्थान रखा। क्योंकि यह बेहद प्रशंसनीय नीति है कि सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों को सेवा के साथ-साथ खेलों में प्रदर्शन का अवसर मिलता है।

कलायत। महाराष्ट्र में सम्मान पाते कलायत बिजली निगम के होनहार खिलाड़ी रविंद्र वत्स। *फोटोः हरिभूमि*

60 मरीजों को फ्री दवाइयां दी

- सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर मोबाइल मेडिकल यूनिट ने पूंडरी में दी स्वास्थ्य सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

पूंडरी। मोबाइल मेडिकल युनिट में भाग लेते डा. व गणमान्य व्यक्ति।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट चलाई जा रही है। इस अभियान के अन्तर्गत सांसद नवीन जिन्दल के निर्देश पर पुंडरी के ग्यारह रुद्री मंदिर में मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा कैम्प लगाया गया। लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए इस कैंप में एमबीबीएस डॉक्टर द्वारा 60 मरीजों को अलग-अलग बीमारियों के लिए परामर्श और नि*शुल्क दवाइयां दी गई । इसके साथ-साथ मोबाइल मेडिकल युनिट में ही 30 लोगों के रक्त एवं युरिन के सभी टेस्ट भी किए गए। सांसद नवीन जिन्दल के स्वस्थ कुरुक्षेत्र-स्वस्थ कैथल मिशन पर प्रकाश डालते हुए कार्यालय प्रभारी श्री धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाएं क्षेत्र के हर व्यक्ति तक पहुंचे। उनके द्वारा स्वस्थ कुरुक्षेत्र-स्वस्थ कैथल के अपने संकल्प को पूरा करने के लिए मोबाइल मेडिकल युनिट का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। पार्षद प्रतिनिधि संजीव कात्याल , अमरसिंह, निधि मोहन, डॉ. बलविंदर सिंधु, नितिन, काजल आदि मौजूद रहे।

नारायण सेवा केंद्र में सॉफ्ट स्किल्स पर सेमिनार का आयोजन

सॉफ्ट स्किल्स सफलता के महत्वपूर्ण आयाम

- पीपीटी से छात्रों को जीवन में संघर्ष के महत्व के बारे में अवगत कराया

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

नारायण सेवा संस्थान शाखा कैथल, दया गुप्ता मानव मन्दिर के माध्यम से समाज कल्याण की विभिन्न गतिविधियों द्वारा दिव्यांग और आर्थिक रूप से असहाय वर्ग के उत्थान का सशक्त प्रयास कर रही है। शाखा संयोजक डा विवेक गर्ग के नेतृत्व में दिव्यांग जनों के लिए कृत्रिम अंग निर्माण एवम वितरण सुविधा, फिजियोथेरपी केन्द्र, कंप्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र और मोबाइल रिपेयर प्रशिक्षण केन्द्र के द्वारा स्वास्थ्य, शैक्षणिक और रोजगार संबंधित सेवा कार्य सुचारु रूप से चलाये जा रहे हैं।

कैथल। डा. रचना सरदाना का स्वागत करते पदाधिकारी। *फोटोः हरिभूमि*

विद्यार्थियों ने भी अपने विचार सांझे किए

आज विद्यार्थियों को सक्षम और जागरूक नागरिक बनाने हेतु शाखा कैथल द्वारा मोटीवेशनल लेक्चर्स और वैचारिक संगोष्ठी की कड़ी में आर के एस डी महाविद्यालय के कॉमर्स विभाग से डा रचना सरदाना ने सॉफ्ट स्किल्स विषय पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सबसे पहले शाखा सहसचिव डा नरेश गर्ग ने, डॉ रचना का स्वागत किया और उनको नारायण सेवा संस्थान के इतिहास, कार्यप्रणाली और इसमे प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में अवगत करवाया। डॉ रचना ने अपने सम्बोधन मे विद्यार्थियों को नेतृत्व क्षमता, इच्छाशक्ति, धर्य, टीमवर्क, सवेदना और आत्मविश्वास जैसे अति महत्वपूर्ण योग्यताओं और जीवन मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया और विद्यार्थियों को इन्हे अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में संघर्ष के महत्व के बारे में अवगत कराया। उसके बाद उन्होंने विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से टीमवर्क का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। अंत में शाखा संयोजक डा विवेक गर्ग ने डा रचना सरदाना का धन्यवाद किया और उन्हे विश्वास दिलाया कि संस्थान के विद्यार्थी इन जीवन मूल्यों को अपने जीवन में अवश्य उतारेंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपने विचार सांझे किए।